आज की मुरली का सहज सार ---------- Date: 26-07-14

इस बेहद के सृष्टि चक्र रुपी ड्रामा के डायरेक्टर, ज्ञान सागर बाप ने ड्रामा की यथार्थ नॉलेज देते हुए कहा, इस नॉलेज से ही तुम अचल, अड़ोल और एकरस अवस्था को पा सकते हो, माया के कितने भी तूफ़ान आये तुम्हें हिला नहीं सकेंगे.

ड्रामा का एक पाईन्ट की यह बेहद का ड्रामा मुझ आत्मा के लिए बहुत-बहुत कल्याणकारी हैं, इसे याद रखेंगे तो ड्रामा के बारे में कभी क्यू-क्या के क्वेश्चनस में नहीं फंसेंगे और हमारी स्थिति अचल, अड़ोल और एकरस रह सकती हैं. माया कैसा भी तूफ़ान लाये लेकिन हम सदा मुस्कराते रहेंगे.

ड्रामा मेरे लिए कैसे कल्याणकारी हैं?

सबसे पहले तो हमें अपने को बहुत-बहुत भाग्यशाली समझना हैं क्योंकि इस सृष्टि चक्र के ड्रामा की नॉलेज इस समय ड्रामा के डायरेक्टर स्वयं आकर, इस विश्व की कुछ गिनी-चुनी आत्माओं को ही दे रहे हैं और इसे प्राप्त करने का भाग्य हमें मिला हैं. इसका कारण हैं की हम इस ड्रामा के ऑलरोउंडर हीरो ऐकटर्स हैं जो ड्रामा के आदि से अन्त (सतयुग के शुरु से कलियुग के अन्त) तक पार्ट बजाते हैं. हम कितनी पदमापदम भाग्यशाली आत्माये हैं जो इस बेहद के ज्ञान को प्राप्त करते हैं. अभी इस पृथ्वी पर करीब 750 करोड आत्माये हैं और उसमें से कुछ लाख आत्माओं को ही यह नॉलेज मिलती हैं, कितना बडा भाग्य हैं मेरा.

दूसरा बाबा ने बताया हैं की हम आत्माये इस ड्रामा में तिन-चौथाई भाग (सतयुग के शुरु से द्वापर के अन्त तक) संपूर्ण सुखी रहते हैं. तीन बड़े युग हम भारतवासी आत्माये सुखी रहती हैं. इस ड्रामा में हम भारतवासी आत्माये जीतना सुख भोगते हैं उतना किसी और का भाग्य नहीं.

इस नॉलेज को जानकर हमारे मुख से ड्रामा के लिए यही शब्द निकलता - वाह ड्रामा वाह. और ड्रामा के डायरेक्टर परमात्मा के लिए दिल से कहते हैं - शुक्रिया बाबा तेरा पदमापदम शुक्रिया.

ड्रामा का दुसरा पाईन्ट की यह ड्रामा ऐक्युरेट बना हुआ हैं. यह पाईन्ट हमें ड्रामा को साक्षी होकर देखना सिखाता हैं और हमारी अवस्था भी अचल-अडोल-एकरस बनाने में मदद करता हैं.

इस सृष्टि रुपी बेहद के ड्रामा में हर ऐक्टर आत्मा अपना-अपना पार्ट बजा रही हैं. इसमें मुझे किसी का पार्ट देखकर ना सुखी होना हैं, ना दुखी होना हैं. बाबा की तरह साक्षी होकर हरेक का पार्ट देखना हैं. जैसे आज बाबा ने कहा, कुछ भी हो, भल माया के तूफ़ान आये परन्तु स्थेरियम रहना हैं. सर्व के प्रति शुभभावना और शुभकामना रख, साक्षी होकर खेल को देखना हैं. ॐ शांति.

Please provide your suggestion/feedback/questions to Atma Bhai on email:
a.brahmin.soul@gmail.com.